>

Title: Regarding heavy deployment of paramilitary forces / police forces in Delhi on account of Olympic torch relay causing great inconveniences to the public.

श्री मोहन सिंह : महोदय, मैं बहुत दुख और चिंता के साथ अपनी पीड़ा को आपके सामने बयान करना चाहता हूँ। आज पूरी नई दिल्ली पुलिस छावनी में तब्दील हो गयी है, 15,000 पुलिस कर्मियों को जगह-जगह तैनात किया गया है, सारे कार्यालय खाली करा दिए गए हैं, सारे कार्यालयों के ऊपर पैरा-मिलिटरी फोर्सेज का पहरा हो गया है जो संगीनें ताने खड़े हैं। पहले मुझे खुद नोटिस था कि आज एक बजे से रास्ते बंद होंगे, लेकिन कल शाम को ही मुझे अपने घर जाने में दिक्कत हुई। मुझे पूरा कनॉट प्लेस घूमकर जाना पड़ा, आज सुबह मुझे अपने घर से यहां आने में दिक्कत हुई। बीच के सारे रास्ते सील कर दिए गए हैं। यह बहुत दुखद बात है कि जो ओलंपिक मशाल दुनिया में भाईचारे का पूसार करने के लिए होती है, वह पुलिस के साये में केवल पुलिस की मशाल बनकर रह गयी है। यह बहुत दुखदायी स्थिति है। उसके चारों तरफ के इलाके में जो भी तिब्बती प्रवेश करता है, उसकी गिरफ्तारी हो रही है। लगभग 150 तिब्बती नौजवान आज जेल में बंद हैं और उनके ऊपर लाठियों से प्रहार हो रहा है। मैं समझता हूँ कि यह स्वतंत्र भारत है, जहां सभी को स्वतंत्र और लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात उठाने का अधिकार है। लेकिन दुखद स्थिति यह है कि हमारे देश की कानून-व्यवस्था की समीक्षा, पुलिस प्रशासन की समीक्षा किसी अन्य देश का राजदूत करे, इससे खराब बात कोई अन्य नहीं हो सकती है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूँ कि इस देश में लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करने का जो तरीका है, उसका पुलिस फोर्स के जरिए दमन नहीं होना चाहिए। आज एक बजे से जो मेट्रो बंद होनी थी, उसे सुबह ही बंद कर दिया गया। मैं समझता हूं कि पूरा दिल्ली शहर, भारत की राजधानी को एक कैदखाने में तब्दील करके भारत सरकार ने यहां की जनता के साथ अन्याय किया है। मैं इसकी निंदा करता हूँ।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We are also in favour of Olympics, I believe.

Shri S.K. Kharventhan.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : श्री संदीप दीक्षित ने स्वयं को इस मामले से संबद्ध किया है।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Nothing will be recorded.

*Interruptions) â€¦ **

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Please do not disturb the proceedings.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. SPEAKER: Only Shri Kharventhan's speech will go on record.

*(Interruptions) â€¦**